Title: Need to provide better pay package toand improve the service conditions of the employees of the insurance companies.

श्री अनंत गुढ़े (अमरावती) : अध्यक्ष महोदय, देश में जो निजी बीमा कंपनियां हैं, वे बड़ी मात्रा में अपने कर्मचारियों को अच्छा वेतन और पैकेज दे रही हैं लेकिन दूसरी तरफ जो हमारी सरकारी बीमा कंपनियां हैं जैसे नेशनल इंश्योरेंस कंपनी, न्य इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, जनरल इंश्योरेंस कंपनी, ओरियंटल इंश्योरेंस कंपनी है, इनके कर्मचारियों के वेतन का जो पुनरीक्षण होना चाहिए था, वह सन 2002 से पैंडिग पड़ा हुआ है जिसक ऊपर सरकार कोई विचार नहीं कर रही है ।

अध्यक्ष जी, जहां तक बैंकों का सवाल है बैंकों ने अपने कर्मचारियों के लिए 13.25 प्रतिशत वृद्धि करने का प्रस्ताव रखा है । लेक्नि जो साधारण बीमा कंपनियां हैं उन्होंने केवल 8.5 प्रतिशत का ही ऑफर दिया है और अपना पल्ला झाड़न की कोशिश की है, जबकि जो सरकारी क्षेत्र के कर्मचारी हैं, जो हर साल 15 हजार करोड़ के बीमा प्रीमियम की उपलब्धि कराते हैं, इनके ऊपर कोई विचार नहीं कर रहा है । इन चारों बीमा कंप्नियों एक समन्वय ईकाई बनाई गई है जीआईपीएसए (जिप्सा) जिसका खुद का कोई बीमा व्यवसाय नहीं है और न ही कोई न्यायिक या नियंत्रक प्राधिकरण है । वह बार-बार यह कह रहा है कि हम 8.5 प्रतिशत से ऊपर नहीं दे सकते हैं।

अध्यक्ष महोदय : जल्दी खत्म कीजिए। जो आप कहना चाहत हैं, वह कहिए। Shri Gudhe, this is not a debate.

श्री अनंत गुढ़े : मैं सरकार से मांग करता हूँ कि जो बीमा कर्मचारी हैं उनको 25-25 साल काम करने के बाद भी प्रमोशन नहीं दिया गया है।

उनकी कई जगह ट्रंसफर कर दी जाती है। उनक ऊपर लाखों रुपय खच होते हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि सरकारी कम्पनियों के कर्मचारियों की मांगों को पूरा किया जाए और वित्त मंत्रालय इस बारे में विचार करे।

MR. SPEAKER: I am noticing all those who are disturbing the House. They will be adequately reciprocated.